the future of power

भारत २१वी सदीमें सुपर पावर बनने वाला है। बडोदा के 700 जितने बुध्धिजिवी व्यक्तियो ने इस इन्टरनेशनल कार्यक्रम the future of power मेडिकल कोलेज ओडीटोरीयम एस.एस.जी होस्पिटल मे भाग लिया। जहां बडोदा तथा ओस्ट्रेलिया, केन्या, रोमानीया और यु.के के स्पिकरोने अपने विचार व्यक्त किये।

ब्रह्माकुमारीझ अलकापुरी सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजीत इस कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते ब्र.कु.डॉ.निरंजनाबहन ने बताया कि आज पावर का अर्थ मनी पावर, मसल्स पावर, लश्कर और अणुशक्ति के पावर को गिनते है। पर सचमुच जीवन में सुख, शांति देने वाले तो आंतरिक शक्ति है। नैतिक मूल्य और सद्गुण ही सच्चे पावर है, सकारात्मक चिंतन, सुसंवादित संबंध और सौजन्यपूर्ण व्यवहार ही सचे पावर है। समय परिवर्तन का है। भारत फिरसे आध्यात्मिक शक्ति के आधार से सिरमोर बन रहा है जिसके लिये हमें ही तैयार होना पडेगा ।

निझार जुमा फेमस इनडस्ट्रीयालीस्ट है जिन्होका 49 देशोमे अेडीदास स्पोर्टस के साधन बनाने का उधोग बिछा हुआ है और 64 कंपनी के चेरमेन है और the future of power के पायोनीयर है जिन्होका कहना है कि – "भारत में जो भी बडे बडे लिडर है वे भारत की प्राचीन संस्कृति और ज्ञान का उपयोग करे तो आने वाले दिनो में भारत महासता बने । २१वी सदी भारत की होगी ।

इसके साथ एक डायलोग का भी आयोजन किया गया, जिसमें धारासभ्य जीतुभाई सुखडीया, राजेन्द्र त्रिवेदी, कलेकटर डॉ. विनोद राव, वुडाके पूर्व चेरमेन अेन.वी.पटेल, पूर्व सांसद जयाबेन ठक्कर, ओस्ट्रेलीया से पाधारे स्टीफन बर्कले, रोमानीयाना गोगा इयोना, फ्रान्सना अेन्ने वेल्थम, केन्याना निझार जुमा, यु.केना अेन्थनी फीलीप्स, ब्रह्माकुमारीझना वडा डॉ.निरंजनाबहन, डायाबीटोलोजीस्ट डॉ. सी.अेस.बुच तथा अनेक आर्टीस्ट, इन्डस्ट्रीआलीस्ट, व्यापारी, चार्टर्ड अेकाउन्टन्ट, अेन्नीयर्स, डॉक्टर्स, अेडवोकेटस, अेज्युकेशनीस्ट, इन्कमटेक्स कमिश्नर, जवेलर्स महानुभवो ने भाग लिया और पावर विषय पर अपने अनुभव व्यक्त किये ।

कार्यक्रम का मुख्य ध्येय था कि यह पावर अपने देश के लीडर्स उपयोग में ला सके, जब की हम अनुभव कर रहे है कि यह पावर पश्चिम से पूर्व की तरफ आ रहे है और भारत इसका केन्द्रबींदु बन रहा है। इसलिये यह जवाबदारी लीडर्स उठाये हर क्षेत्र तक इस पावर को फैलाये, उपयोग में लाये । अनेक व्यक्तिओ को इस विषय पर जागृत करे।